

असाधारण

### **EXTRAORDINARY**

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

# PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 255] No. 255] नई दिल्ली, शुक्रवार, श्रक्तूबर 6, 1972/श्राश्विन 14, 1894 NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 6, 1972/ASVINA 14, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

#### NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, theh 6th October 1972

G.S.R. 429(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 26/69-Central Excises, dated the 1st March, 1969, the Central Government hereby exempts steel ingots of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed and falling under Item No. 26 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of the duty specified and subject to the

conditions laid down in the corresponding entries in columns (3) and (4) respectively of the said Table.

#### TABLE

s. N	o. Description	$\mathbf{D} u^{\dagger} y$	Conditions
I	2	3	4
ī.	Steel ingots manufacture with the aid of electric furnace.	ric	If manufactured from any of the tollowing materials or a combination thereof, namely:—
			(i) old iron or steel melting scrap; or
			(ii) fresh unused steel melting scrap on which the appropriate amount of duty of excise, if any leviable, has been paid.
	Stell ingots manufactured with the aid of electric furnace.		25 of the said First Schedule and on which the appropriate amount of duty of exise, if any, has been paid, in combination with either
		- '	<ul> <li>(i) old iron or steel melting scrap;</li> <li>(ii) fresh unused steel melting scrap on which the apporpriate amount of duty of excise, if any leviable, has been paid.</li> </ul>

[No. 207/72.]

S. K. GHOSHAL, Under Secy.

# वित मंत्रालय

# (राजस्व ग्रौर बीमा विभाग)

, अधिसूचना

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, 6 ग्रक्तूबर, 1972

सा० का० नि० 429 (म्र).—केन्द्रीय उत्पाद णुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ग्रौर भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व ग्रौर बीमा विभाग) की ग्रधिसुचना सं० 26/69—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1969 को ग्रतिष्टित करते हुए, केन्द्रीय सरकार इससे संलग्न सारणी क स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट ग्रौर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रौर नमक ग्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम ग्रनुसूची की मद सं० 26 के ग्रतगंत ग्राने वाले वर्णन की इस्पात सिल्लियों को उन पर उद्-पहणीय उतने उत्पाद शुल्क से जो उक्त सारणी के कमण: स्तम्ध (3) ग्रौर (4) में तत्स्थानी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट गुल्क से प्रधिक हो। श्रार श्रविकथित गती के प्रधीन रहते हुए एत्द्द्वारा छूट देती है ।

## सारणी

कम सं०	् वर्णन	<u>ज</u> ुल्क	<b>गत</b> ें
1	2	3	4
1.	वियुत भट्टी की महायता से त्रिनिर्मित द्वस्पात मिल्लिया	भ्त्य	यदि निम्नलिखिन पदार्थां में से किसी या उनके संयोजन मे विनिर्मित हो, ग्रर्थात् :——

- (i) पुराना लौहा या इस्पात गलन रद्दी ; या
- (ii) नई श्रप्रयुक्त इस्पात गलन रद्दी जिस पर, उत्पाद शुल्क की समुचित राशि, यदि कोई हो, संदत कर दी गई हो।

 विद्युत भट्टी की महायता लौहे के वि से पिनिमित इस्पात जो द मिल्लियां। की म

लौहे के किसी कच्चे रुप का, जो उक्त प्रथम धनुसूची की मद सं० 25 के ग्रन्त-गंत भाता हो, जो इस्पात सिल्लियों के विनिर्माण में प्रयुक्त होता हो, प्रति-टन 57---50 रु० यवि निम्नलिखित पदार्थी,
श्रभीत्:—(i) पुराना लौहा
या इस्पात गलन रद्दी;
(ii) नई स्रप्रयुतन इस्पात
गलन रद्दी जिम पर,
उत्पाद शुन्क की ममुभित
राशि, यदि कोई हो,
संदत कर दी गई हो,
में से किसी एक या दोनों
के संयोजन से उक्त प्रथम
सन्धुली की मद संङ 25

THE GAZETTE		EXTRAORDINARY	[PART II—Sec. 3(i)]
كتليب والمستور والمستور	حجيبين المستوجة		

3

2010

1

2

के अर्त्तगत आने वाले लोहे के किसी क<sup>ुचे</sup> रूप ने विनिर्मित किया गया हो भौर जिस पर जत्पाद गुल्क की समु**वित रा**णि, यदि कोई हो, संदत कर दी गई हो ।

[सं॰ 207/72]

4

एस० के० घीषाल, श्रवर सचिव !